राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

2021 - 22

M.P.A in KATHAK – II nd YEAR – -PRIVATE

No	Subject Nature	Total Mark%	Min Mark%
1.	**B. CORE SUBJECT** **Kathak Theory Core 1** (History and development of Indian dance) 1. - C1-MDK-101 (Essay composition rhythmic pattern and principal of practical) 2. C1-MDK-102	100 100	36% 36%
2.	**Technical Course Practical Core 2** 3. Demonstration & Viva – C2-MDK-101 4. Stage Performance - C2-MDK-102 5. Lecture Demonstration– C2-MDK-103	100 100 100	36% 36% 36%
	GRAND Total Credits & Hours		

एम.पी.ए. स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु पाठ्यक्रम

2021–22

प्रथम प्रश्न पत्र

प्रथम वर्ष

कथक नृत्य का इतिहास एवं विकास

(History and development of Indian dance)

विषय – कथक नृत्य

समय :–3 घण्टें

पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. भारत में नृत्य की उत्पत्ति और विकास।
2. भारत में लोकनृत्यों का उद्भव, विकास तथा भारतीय सामाजिक जीवन से उनका संबंध।

इकाई–2

1. नाट्य शास्त्र के अनुसार 'रस की व्याख्या' एवं उसके प्रकारों का विषद अध्ययन।
2. देवदासी प्रथा का इतिहास एवं भारतीय नृत्यों के विकास में उसका योगदान।

इकाई–3

1. अभिनय दर्पण में वर्णित देव हस्तों का श्लोक सहित अध्ययन।
2. लोकधर्मी, नाट्यधर्मी एवं पूर्वरंग का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–4

1. लखनऊ के नवाब वाजिद अली शाह एवं रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह के कार्यकालों का विषेष उल्लेख करते हुए मुस्लिम एवं हिन्दू राजाओं के दरवारों में कथक नृत्य का उद्धार एवं पुनर्विकास।
2. निम्नलिखित विषयो का अध्ययन :–(अ) कथक नृत्य की वेषभूषा का प्राचीन और आधुनिक स्वरूप।(ब) कथक में सह कलाकारों की भूमिका। (स) कथक का काव्य पक्ष।

इकाई–5

1. डेढ़ गुन, सवागुन एवं पौनगुन का विस्तृत अध्ययन।

एम.पा.ए. स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु पाठ्यक्रम

2021–22

द्वितीय प्रश्नपत्र

निबंध संरचना, लयकारों, एवं प्रयोगात्मक सिंद्धात

(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)

समय :–3 घण्टें पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. ताल के दस प्राण का विस्तृत अध्ययन।
2. कथक प्रशिक्षण की गुरू शिष्य परम्परा एवं शिक्षण पद्धति।

इकाई–2

1. बैले (नृत्य नाटिका) का उद्भव एवं विकास तथा कथक नृत्य में उसका योगदान।
2. आचार्य भरत के नाट्य शास्त्र के अनुसार करण एवं अंगहार का अध्ययन।

इकाई–3

1. निम्नलिखित नृत्य गुरूओं की जीवनियां एवं कथक नृत्य में उनका योगदान– स्व. पं. सुंदर प्रसाद, स्व. जानकी प्रसाद, स्व. पं. कार्तिक राम।
2. पं. बिरजू महाराज की जीवनी एवं कथक को समृद्ध एवं लोकप्रिय बनाने के लिए उनके द्वारा किए गए प्रयास।

इकाई–4

1. प्रायोगिक पाठ्यक्रम में उल्लेखित तालो में तोड़े, परन आदि लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित अभिनय दर्पण के अनुसार देवहस्तो का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–5

1. नीचे दिए गए कथानकों में निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर नृत्य संरचना करने की क्षमता
   कथानक :–
   (अ) पंचव्रटी(शूर्पनखा मानभंग)
   (ब) मोहिनी भस्मासुर
   (स) अभिसारिका नायिका

   बिन्दु :–संक्षिप्त कथावस्तु' रंगमंच व्यवस्था, पात्र चयन, वेशभूषा एवं रूपसज्जा, पार्श्व संगीत।
   मंच प्रदर्शन– राष्ट्रीय उच्चस्तरीय
   वायवा

पूर्णांकः—100

प्रायोगिक—1

इकाई—1

1. निम्नलिखित में से किन्ही दो देवताओं की वंदना से संबधित श्लोक पर भाव प्रदर्शनः— शिव वंदना, कृष्ण वंदना एवं सरस्वती वंदना।
2. तात त्रिताल में निम्नलिखित नृत्य प्रदर्शन की क्षमता :— तिस्त्र एवं मिश्र जाति की परन, दर्जा, नवहक्का, फरमाइशी परन, गणेश परन, शिव तांडव परन, विभिन्न प्रकार की कवित्त, अतीत, अनागत के तोड़े, परन, प्रिमलू एवं तिहाईया।

इकाई—2

1. रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह द्वारा रचित किन्ही दो छन्दो की प्रस्तुति।
2. घुघंट एवं मुरली के विविध प्रकारों का प्रदर्शन।

इकाई—3

1 बोल जाति के साथ विविध प्रकार के ततकार एवं लयवांट का विशिष्ट प्रवेश समझाइए।
2 निम्नलिखित तालो में से किन्हीं दो पर निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन :— शिखर , अष्टमंगल, पंचम सवारी थाट, एक आमद, दो परन, तीन तोड़े, दो चक्करदार तोड़े और परन, दो कवित्त एवं तिहाईयां आदि।

इकाई—4

1 पांच जातियों में तोड़े या परन प्रस्तुत करने की क्षमता।
2 निम्नलिखित रचनाओं में नृत्य प्रदर्शन :— चतुरंग एवं ध्रुपद।

इकाई—5

1 ठुमरी, भजन एवं गजल पर भाव प्रदर्शन।
2 निम्नलिखित गतभावों का प्रदर्शन :— सीता स्वंयवर, मोहिनी भस्मासुर।

प्रायोगिक– 2 (मंच प्रदर्शन)

(Stage Performance)

आंमत्रित दर्शकों के समक्ष उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन की क्षमता।

आवश्यक निर्देश :– आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गए रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

संदर्भित पुस्तके :–

1. भरतमुनि नाट्यशास्त्र द्वितीय एवं चतुर्थ भाग (वल्लभ त्रिपाठी)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथ राम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिक राम)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग दो (डॉ. पुरू दधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवान दास माणिक)
7. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)